>

Title: Need to take measures to make underground water and rivers including Ganga in Bihar arsenic-free and provide clean drinking water to the people in the State.

श्री जगदानंद सिंह (बक्सर): बिहार प्रदेश के कई भागों में पेयजल का संकट है। पानी की कमी तथा पानी के गिरते स्तर के अलावा पानी में हानिकारक घुलनशील पदार्थ का होना स्वास्थ्य पर बहुत बुरा प्रभाव डाल रहा है। उत्तर बिहार के कई इलाकों में पानी में आयरन की मात्रा के कारण वर्षों से प्रभावित आबादी आज भी अभिशप्त है। दक्षिण बिहार विशेषकर गंगा के किनारे अवस्थित बक्सर तथ भोजपुर जिलों के सैंकड़ों गाँव आर्सेनिक तथा क्लोराइड युक्त पानी पीने के लिए बेबस है। भू-जल के प्रदूषण का प्रभाव गर्भवती महिलाओं, बच्चों, युवकों एवं बुजुर्गों को समान रूप से प्रभावित करता है। बच्चे विकलांग पैदा हो रहे हैं। युवकों एवं बुजुर्गों में चर्मरोग का प्रभाव स्पष्ट दिखता है। आर्सेनिक की तय सीमा से हजार गुना अधिक मात्रा में पानी में मौजूद पाया गया है।

आजादी के पैंसठ वर्ष बीतने के बाद भी बिहार राज्य की इस आबादी के लिए यदि विशेष कार्य नहीं चलाया गया तो यह समस्या और भी जटिल होती जाएगी। पानी की कमी ने घुलनशील पदार्थों को और हानिकारक बना दिया है।

अतः सरकार से मांग करता हूँ कि भूगर्भ जल की मात्रा की बढ़ोतरी के प्रयास के साथ गंगा या अन्य नदियों के सतही जल को स्वच्छ बनाकर पाईप जलापूर्ति की व्यवस्था करें तथ बड़े आकार के चापाकल को गहराई में गाड़कर विषैले पानी से मुक्ति दिलाए।